राजनयिकों को हमेशा राष्ट्रीय हितों को सर्वोपरि रखना चाहिए: लोकसभा अध्यक्ष

...

दुनिया हम पर भरोसा करती है क्योंकि भारत ने दुनिया को सदैव शांति, अहिंसा और सह अस्तित्व का संदेश दिया है: लोकसभा अध्यक्ष

...

राजनयिकों को अपनी विदेश नीति के लक्ष्यों की प्राप्ति में भाषा, भारतीय फिल्मों और भारतीय संस्कृति की अन्य विशेषताओं के महत्व को समझना चाहिए

...

लोकसभा अध्यक्ष भारतीय विदेश सेवा और रॉयल भूटान विदेश सेवा के अधिकारी प्रशिक्षुओं के लिए संसदीय प्रक्रियाओं और प्रक्रियाओं में अप्प्रेसिएशन पाठ्यक्रम का उद्घाटन किया

...

नई दिल्ली; 4 अगस्त, 2022: लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने आज भारतीय विदेश सेवा और रॉयल भूटान विदेश सेवा के अधिकारी प्रशिक्षुओं के लिए संसदीय प्रक्रियाओं और प्रक्रियाओं में अप्प्रेसिएशन पाठ्यक्रम का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर बोलते हुए श्री बिरला ने कहा की आज वैश्विक परिस्थितियां हमारे लिए अत्यंत चुनौतीपूर्ण हैं। यह विचार व्यक्त करते हुए कि हमारी समृद्धि और आर्थिक विकास को बनाए रखने के लिए वैश्विक एवं क्षेत्रीय शांति को बनाए रखना आज की सबसे बड़ी चुनौती है, श्री बिरला ने कहा कि ऐसे में हमारे ऊपर विशेष जिम्मेदारी है कि हम राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए सभी संभव प्रयास करें।

राजनयिकों की ज़िम्मेदारी के बारे में बोलते हुए श्री बिरला ने कहा की राजनयिकों को हमेशा राष्ट्रीय हितों को सर्वोपरि रखना चाहिए। नेशन फर्स्ट की नीति के साथ ही उन्हें अपना हर क़दम बढ़ाना चाहिए। अन्य देशों के लिए हमारे देश की नीति कैसी है, क्या रणनीति है; इसका ध्यान राजनयिकों को विशेष तौर पर रखना चाहिए, श्री बिरला ने जोर दिया।

दुनिया भर में भारत की बढ़ती शक्ति के बारे में उल्लेख करते हुए श्री बिरला ने कहा की दुनिया हम पर भरोसा करती है क्योंकि भारत ने दुनिया को सदैव शांति, अहिंसा और सह अस्तित्व का संदेश दिया है। अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा स्थापित करने की बात हमारे संविधान के नीति निदेशक तत्वों में भी कही गई है। अन्य राष्ट्रों के साथ न्यायपूर्ण और सम्मानजनक संबंध बनाए रखने का सिद्धांत हमारा संवैधानिक सिद्धांत है। दुनिया हम पर भरोसा करती है क्योंकि हमने मुश्किल के समय में दुनिया के देशों की सहायता कर ये भरोसा कमाया है। भारत आज दुनिया में प्रमुख शक्ति के रूप में उभर रहा है। उन्होंने कहा कि इसमें हमारी सॉफ्ट पावर

की बड़ी भूमिका है। उन्होंने कहा कि राजनयिकों को अपनी विदेश नीति के लक्ष्यों की प्राप्ति में भाषा, भारतीय फिल्मों और भारतीय संस्कृति की अन्य विशेषताओं के महत्व को समझना चाहिए।